प्रारम्भ

वर्ष–26, अंक: अप्रेल 2022–मार्च 2023

सिकोईडिकोन परिवार की पत्रिका

अप्रिय बोलने से अच्छा है मौन रहना

प्राचीन सभ्यत
पोषक तत्व
भाषा ज्ञान

संस्थागत विकास कार्यक्रम

- **सामुदायिक संगठनों की बैठकें**

सामुदायिक संगठनों का क्षमतावर्धन, सिकोईडिकोन की कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ग्राम विकास समिति, किसान सेवा समिति, किसान सेवा समिति महासंघ और युवामंडल ऐसे जनसंगठन है, जिनके माध्यम से स्थानीय विकास के कार्य संचालित किए जाते हैं। इन संगठनों की नियमित बैठकों में स्थानीय मुद्दों व समस्याओं को चिन्हित कर उन्हें सुलझाने का प्रयास किया जाता है। चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद ब्लॉक में इन जनसंगठनों द्वारा आजीविका, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, बालिका शिक्षा, जेंडर, परिवहन, शुद्ध पेयजल व विद्युत वितरण से संबंधित समस्याओं पर विचार व चर्चा के उपरांत स्थानीय प्रशासन को इन समस्याओं से अवगत कराया गया व इस हेतु ज्ञापन दिए गए। युवा मंडल की बैठकों में स्थानीय मुद्दों के अलावा जलवायु परिवर्तन, जेंडर, सामाजिक विकास जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। जन संगठनों द्वारा बीसलपुर पेयजल की सप्लाई, बिजली कटौती, ग्रामीण परिवहन, फसल खराबा, सड़क निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्थानीय व राज्य स्तर पर ज्ञापन दिए गए।

- **युवा सम्मेलन में बनी भारत के संविधान की समझ**

संस्था द्वारा 9–10 नवम्बर, 2022 को शीलकी डूंगरी, चाकसू में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य युवक व युवतियों के संवाद कौशल को बढ़ाना व स्थानीय विकास की समझ विकसित करना है। सम्मेलन में भारतीय संविधान पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान एजूकेशन ट्रस्ट से जुड़े वकालात की पढ़ाई कर रहे युवक व युवतियों ने भी हिस्सा लिया। इस सत्र में सिकोईडिकोन के संरक्षक जस्टिस विनोद शंकर दवे ने भारतीय संविधान की रूपरेखा पर रोचक तरीके से अपने विचार व्यक्त किए और संविधान की महत्वपूर्ण विशिष्टताओं को उजागर किया। इस अवसर पर राजस्थान एजूकेशन ट्रस्ट के सहयोग से भारत के संविधान पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

सम्मेलन में बालिका शिक्षा, बाल विवाह, जल संरक्षण जैसे विषयों पर सामूहिक चर्चा की गई। युवा सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन, संगठन निर्माण पर भी सत्र आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त विकास को मापने के लिए हैप्पीनेस इंडेक्स पर जानी मानी पत्रकार डॉ. शिप्रा माथुर ने विस्तार से अपने विचार रखे। दो दिवसीय सम्मेलन में खेल–कूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

- **किसानों नें किया काज़री सेंटर का भ्रमण**

सिकोईडिकोन संस्था द्वारा प्रतिवर्ष किसानों के समूह का शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है। इस भ्रमण का उद्देश्य किसानों को खेती–किसानी व सामाजिक विकास के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अवगत करवाना व उनकी समझ को बढ़ाना है। इस वर्ष किसान सेवा समिति के 50 सदस्यों का दल सेन्ट्रल एरिड जोन रिसर्च सेंटर (काज़री), जोधपुर गया। काज़री भ्रमण के दौरान किसानों ने शुष्क कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों व प्रयोगों को देखा व सौर ऊर्जा की खेती में उपयोगिता को समझने का प्रयास किया। खेती में प्रयोग किए जा रहे विभिन्न सौर ऊर्जा संयत्रों को समझाने के लिए काज़री द्वारा विषय–विशेषज्ञ की नियुक्ति की गई। इससे पूर्व किसान सेवा समिति द्वारा काज़री के स्थानीय अधिकारियों व शोधकर्त्ताओं के समक्ष एक प्रस्तुति की गई, जिसमें सिकोईडिकोन व किसान सेवा समिति के कार्यों से अवगत करवाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के उन्नत बीजों व उनके संरक्षण की जानकारी भी किसानों को दी गई।

- **युवाओं ने समझा गर्ल चाइल्ड फ्रैंडली पंचायत की पहल को**

युवाओं को सामाजिक विकास के क्षेत्र में जागरूक करने एवं इस क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अवगत कराने हेतु सिकोईडिकोन द्वारा युवाओं के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चाकसू–फागी ब्लॉक के युवक–युवतियों ने सवाई माधोपुर की रावल पंचायत का भ्रमण किया। जिसे कि यूएनएफपीए की पहल पर गर्ल चाइल्ड फ्रेंडली पंचायत के रूप में विकसित किया गया है। इस भ्रमण कार्यक्रम के पूर्व सवाई माधोपुर में कार्यरत श्री श्याम सुंदर शर्मा ने विस्तार से गर्ल चाइल्ड फ्रैंडली पंचायत के बारे में जानकारी दी और इसके विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। भ्रमण के दौरान युवाओं ने सवाई माधोपुर के दर्शनीय स्थलों का भी भ्रमण किया।

इसके अतिरिक्त शाहबाद के युवा मण्डल के सदस्यों ने कोटा में आयोजित कृषि मेले का भ्रमण किया व कृषि संबंधी आधुनिक व परम्परागत तकनीकों की जानकारी ली।

- **सक्रिय भागीदारी से सम्पन्न हुई वार्षिक बैठक**

प्रतिवर्ष की भॉति इस वर्ष भी सिकोईडिकोन की वार्षिक बैठक शीलकी डूँगरी स्थित संस्था परिसर में दिसम्बर माह में सम्पन्न हुई। दो दिवसीय वार्षिक बैठक में संस्था के वर्षभर की गतिविधियों, उपलब्धियों व चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें संस्था के कार्यकर्ताओं व जनसंगठनों की भागीदारी रही। इस दौरान सतत विकास लक्ष्यों, जलवायु परिवर्तन, जेंडर व संगठनात्मक विकास पर विभिन्न सत्रों का आयोजन हुआ, जिसमें संस्था के वरिष्ठ साथियों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए व आने वाले समय में काम किए जाने वाले विषयों की संभावना पर विमर्श हुआ।

वार्षिक बैठक में संस्था की सचिव श्रीमती मंजू बाला जोशी ने वर्तमान समय की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए सामूहिक सहभागिता से सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर संस्था के उन साथियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने संस्थागत कार्यों को मज़बूती से आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वार्षिक बैठक में खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संस्था परिवार व जनसंगठनों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

- **पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद**

स्थानीय विकास की प्रक्रियाओं को सामूहिक सहभागिता को प्रभावशाली तरीके से बढ़ाने के उद्देश्य से संस्था व किसान सेवा समिति के सामूहिक प्रयास से पंचायत प्रतिनिधियों के साथ संवाद का आयोजन किया गया। यह संवाद कार्यक्रम चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद ब्लॉक में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों ने उनकी पंचायत में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों व नवाचारों की जानकारी दी और जनसंगठनों द्वारा पंचायत स्तर पर आ रही समस्याओं को साझा किया गया। संवाद में जीपीडी प्लान को सहभागिता से तैयार करने व उसकी बेहतर तरीके से मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया गया। पंचायत प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर जनसंगठनों व संस्था को विभिन्न विकास के कार्यों में सहयोग करने हेतु आश्वस्त किया।

- **सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक**

सिकोईडिकोन एवं किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद क्षेत्र में सरकारी अधिकारियों व जनसंगठनों के साथ समन्वय बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जनसंगठनों ने पेयजल, बिजली, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न स्थानीय समस्याओं पर ध्यानाकर्षित किया। सरकारी अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इस प्रकार की बैठकों को निरंतर जारी रखने का आग्रह किया।

- **युवा संवाददाताओं की कार्यशाला**

युवाओं में संवाद कौशल को विकसित करने और विभिन्न सामाजिक विकास के मुद्दों पर बेहतर समझ को विकसित करने के उद्देश्य से गठित युवा संवाददाताओं के समूह की कार्यशाला का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद ब्लॉक में आयोजित इन कार्यशालाओं में सतत विकास लक्ष्य, जलवायु परिवर्तन, लिंग समानता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यशाला में विभिन्न समसामयिक विषयों पर युवाओं के साथ बहस होती है एवं उनकी तार्किक क्षमताओं के विकास पर जोर दिया जाता है।

- **युवाओं ने मनाया युवा दिवस**

संस्था द्वारा 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्था कार्यालयों में वाद–विवाद, लेखन, खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें

जनसंगठनों, सरकारी अधिकारियों व युवामंडल के सदस्यों ने हिस्सेदारी ली।

कार्यक्रम में संस्था के वरिष्ठ साथियों द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन की विभिन्न शिक्षाओं पर प्रकाश डाला और सामाजिक विकास में इनके योगदान व प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए।

'मूल अधिकार' थीम के अन्तर्गत संपादित मुख्य गतिविधियाँ :

- **जन प्रतिनिधियों का क्षमतावर्धन**

  मालपुरा, फागी एवं चाकसू ब्लॉक की महिला जन प्रतिनिधियों के क्षमतावर्धन हेतु उनके साथ कार्यशाला आयोजित की गयी। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उनके साथ जेंडर आधारित भेदभाव, नेतृत्व क्षमता का विकास, जन प्रतिनिधियों के दायित्व एवं जिम्मेदारियॉं, सत्ता असंतुलन एवं अधिकारों का हनन, हिंसा आदि मुद्दों पर चर्चा करते हुये, उनकी समझ विकसित की गयी। लगभग 65 जन प्रतिनिधियों ने इस कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- **ग्राम पंचायत विकास प्लान (GPDP) निर्माण हेतु मीटिंग**

  ग्राम पंचायत विकास प्लान के निर्माण में पंचायत स्तर पर विभिन्न हितधारकों जैसे महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, समुदाय आधारित संगठनों, किशोरियों, बच्चों आदि के मुद्दों को शामिल करने के लिये इन सभी हितधारकों के साथ 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक मीटिंग की गयी एवं मीटिंग में निकाले गये विभिन्न मुद्दों जैसे आँगनबाड़ी भवन निर्माण, स्कूलों में शौचालय में पानी की सुविधा, बालिकाओं के लिये परिवहन की सुविधा, युवाओं के लिये लाइब्रेरी की व्यवस्था, बच्चों के लिए खेल मैदान, महिलाओं के लिये रोजगार प्रशिक्षण आदि को पंचायतों को सौंपा गया, जिससे कि इन मुद्दों को पंचायत द्वारा बनाये जाने वाले वार्षिक ग्राम पंचायत प्लान में शामिल किया जा सके। सभी पाँच ब्लॉक की 2 ग्राम पंचायतों (कुल 10 ग्राम पंचायत) में विभिन्न हितधारकों की भागीदारी एवं उनकी जरूरतों को शामिल करते हुये, 10 जेंडर समावेशी ग्राम पंचायत विकास प्लान बनाकर पंचायतों को सौंपा गया।

- **गरीब एवं ड्रॉप आउट बच्चों के लिये गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करना**

  शाहबाद ब्लॉक की सहरिया आदिवासी बालिकाऐं जो स्कूल से ड्रॉप आउट हो गयीं, उन्हें चिन्हित कर शाहबाद कार्यालय के परिसर में आवासीय कैम्प के द्वारा उनके लिये विशेष कक्षाऐं लगवायी जा रही हैं, जिसमें बच्चियों के लिए शिविर में ही शिक्षा के साथ–साथ पौष्टिक भोजन, जरूरत के सभी सामान, ठहरने की व्यवस्था आदि उपलब्ध करवायी जा रही है। इस वित्तीय वर्ष में 52 बालिकाओं का नामांकन स्टेट ओपन बोर्ड में करवाया गया और उन्हें गुणवत्तापूर्ण

शिक्षा देने में सहयोग प्रदान किया गया है। इस आवासीय कैम्प में उन्हें पाठ्यक्रम के अलावा जीवन कौशल शिक्षा, जेंडर आधारित भेदभाव, प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य, उनके अधिकारों आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवायी जा रही है, जिससे वे जागरूक होकर अपने स्वयं के अधिकारों के बारे में जानें व अन्याय के खिलाफ दृढ़ता से अपनी आवाज उठा कें। इसके अतिरिक्त मालपुरा ब्लॉक में 45 गरीब बच्चियों को कॉपी– गाईड बुक, पढ़ने की सामग्री, स्टेशनरी आदि का भी सहयोग प्रदान किया गया।

- **संस्थागत एवं समुदाय में जेंडर संवेदनशील वातावरण का निर्माण करना**

जेंडर आधारित मुद्दों पर स्टॉफ के साथ निरंतर मासिक समीक्षा बैठकों के दौरान बातचीत की जाती है। संस्था में यौन उत्पीड़न एवं यौन शोषण को रोकने के लिये एक नीति बनायी गयी है, जिसका नाम PSEA नीति (Prevention of Sexual Exploitation and Abuse) है। जून, 2022 एवं दिसम्बर, 2022 में संस्था में कार्यरत सभी स्टॉफ का महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 (POSH Act) एवं संस्था की PSEA नीति पर विस्तार से आमुखीकरण किया गया, जिसमें संस्था के लगभग 120 स्टॉफ ने भाग लिया। इसके साथ ही POSH Act एवं PSEA नीति के तहत् संस्था द्वारा बनायी गयी आंतरिक समिति (Internal Committee) की हर तीन माह में समीक्षा बैठकें भी की गयी। इसके अतिरिक्त लगभग 600 अन्य लोगों को POSH Act एवं PSEA नीति पर उनका आमुखीकरण किया गया।

- **जेंडर आधारित हिंसा को रोकने हेतु जागरूकता अभियान**

समेकित ग्रामीण सहभागी विकास (PIIRD) परियोजना के अन्तर्गत 4 ब्लॉकः मालपुरा, निवाई, फागी एवं चाकसू में जेंडर आधारित हिंसा रोकने एवं जेंडर समानता बढ़ाने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान 25 नवंबर, 2022 से 10 दिसंबर, 2022 तक चलाया गया। इसके अन्तर्गत बैठकें, जागरूकता रैली एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें लगभग 500 किशोरियों एवं 1200 स्थानीय लोगों ने भाग लिया एवं जेंडर आधारित हिंसा रोकने एवं जेंडर समानता बढ़ाने के लिये शपथ लेते हुये हस्ताक्षर किये।

- **फ्रंट लाईन कार्यकर्ता (FLWs) का क्षमतावर्धन**

जेंडर आधारित हिंसा के मुद्दों पर समझ विकसित करने के लिये, FLW के साथ क्षमतावर्धन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मालपुरा, निवाई, चाकसू एवं फागी के 5–5 ग्राम पंचायतों की लगभग 110 फ्रंट लाईन कार्यकर्ताओं (आशा, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं साथिन) ने भाग लिया। इस कार्यशाला में परस्पर बातचीत, समूह कार्य एवं फिल्मों के माध्यम से विभिन्न मुद्दों जैसे जेंडर, जेंडर आधारित भेदभाव, घरेलू हिंसा, हिंसा के विभिन्न स्वरूप, महिलाओं एव बालिकाओं के लिये बनाये गये कानून, जेंडर आधारित हिंसा रोकने में FLW की भूमिका आदि पर विस्तार से चर्चा करते हुये इन मुद्दों पर उनकी समझ विकसित की गयी।

- **किशोरियों के साथ प्रजनन एवं यौनिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण**

PIIRD परियोजना के अन्तर्गत सभी ब्लॉक में गठित किशोरियों के समूह के साथ ब्लॉक स्तर पर 'प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य' पर प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न तरीकों जैसे परस्पर बातचीत, समूह कार्य, फिल्म प्रदर्शन, रोल प्ले आदि द्वारा किशोरावस्था में होने वाले बदलाव, माहवारी एवं माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, प्रजनन तंत्र एवं यौन संचालित संक्रमण, प्रजनन अधिकार, जेंडर रोल्स, यौन हिंसा, विभिन्न कानून आदि के बारे में विस्तार से चर्चा कर किशोरियों की समझ विकसित की गयी। प्रशिक्षण में लगभग 180 किशोरियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया एवं माहवारी एवं किशोरावस्था में होने वाले परिवर्तनों एवं परेशानियों को साझा किया, एवं उन्हें इनसे निपटने के लिये उचित परामर्श भी दिया गया।

- **स्वास्थ्य शिविर**

किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों पर जागरूक करने एवं उनकी स्वास्थ्य जॉच हेतु परियोजना अन्तर्गत सभी पॉच ब्लॉक की 5 ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 600 किशोरियों की स्वास्थ्य जॉच, हीमोग्लोबीन जॉच टी.टी. के टीके एवं स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा उपलब्ध करवायी

गयी, साथ ही माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जानकारी के अलावा उन्हें सैनेटरी नैपकिन वितरण भी किया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें आयरन एवं फोलिक एसिड की दवाईयॉ भी उपलब्ध करवायी गयी। स्वास्थ्य कैंप के दौरान किशोरियों को पर्याप्त पोषण लेने व अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए भी परामर्श दिया गया।

- **आत्मरक्षा प्रशिक्षण**

बालिकाओं के साथ दुर्व्यवहार एवं यौनिक हिंसा की बढ़ती हुई घटनाओं की वजह से किशोरियों की गतिशीलता पर कई तरह की रोक–टोक लगायी जाती है। इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए एवं किशोरियों में आत्म विश्वास बढ़ाने के लिये सभी पॉच ब्लॉक में किशोरियों के साथ आत्म रक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत उन्हें स्वयं की रक्षा हेतु विभिन्न तकनीकों की जानकारी देकर उसका अभ्यास करवा कर उनका क्षमतावर्धन किया गया। कुल 600 किशोरियों ने बड़े जोश एवं उत्साह के साथ इन प्रशिक्षणों में भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति एवं स्कूल अध्यापिका द्वारा पंचायत स्तर पर ये प्रशिक्षण करवाये गये।

- **स्टोरी टेलिंग क्लब**

परियोजना अन्तर्गत सभी 5 ब्लॉक में बुजुर्गों के मुद्दों को ध्यान में रखकर उनके लिये सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ दिलवाने एवं परिवार, बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों का आपस में जुड़ाव के लिए स्टोरी टेलिंग क्लब का गठन किया गया है। बुजुर्गों के पास बहुत सारी कहानियॉ, अनुभव एवं पारंपरिक तरीकों का भंडार है, लेकिन हमारी युवा पीढ़ी एवं बच्चे उस ज्ञान से वंचित है, इसलिये बुजुर्गों व युवा पीढ़ी व बच्चों के बीच परस्पर संवाद स्थापित करने एवं उनकी जरूरतों को समझने के लिये युवाओं के साथ बैठक कर उन्हें इस विषय में संवेदनशील किया जा रहा है, एवं उनके सहयोग से 5 ब्लॉक की सभी 5 ग्राम पंचायतों में स्टोरी टेलिंग क्लब की नियमित बैठकें करने के लिये उन्हें प्रेरित किया जा रहा है।

केस स्टडी – किशोरी बालिका समूह से जुड़कर आया बदलाव

मेरा नाम प्रीती राजावत है, मेरी उम्र 18 वर्ष है, और मैं, मालपुरा ब्लॉक के धौली पंचायत की निवासी हूँ। किशोरी बालिका समूह की सदस्य के रूप में जुड़ने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत बदलाव आया है। पहले मुझे गाँव से बाहर कहीं और अकेले जाने में बहुत डर लगता था, और मैं हमेशा किसी की साथ लेकर ही गाँव के बाहर जाती थी, लेकिन किशोरी बालिका समूह की मीटिंग व ट्रेनिंग से जुड़ने के बाद जिस तरह से सिकोईडिकोन संस्था के स्टॉफ द्वारा मुझे जेंडर, बालिकाओं के अधिकार एवं स्वजागरूकता एवं अन्य कौशलों के बारे में समझाया गया, वो बहुत ही प्रेरित करने वाला व आसानी से समझ में आने वाला था। अब मेरे अंदर आत्म विश्वास आया है, एवं अब मैं किसी से भी बिना झिझक के बात कर पाती हूं एवं कहीं भी अकेली आ–जा सकती हूँ। किशोरी समूह प्रशिक्षणों के बाद जो एक बड़ी समझ मेरी विकसित हुयी वो यह है कि लड़के और लड़कियों के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिये और दोनों को ही स्वयं के विकास के लिये बराबर मौके दिये जाने चाहिये। मैं इन प्रशिक्षणों में दी जाने वाली सभी जानकारियों एवं सूचनाओं को गाँव की अन्य लड़कियों के साथ भी साझा करती हूँ, जिससे वे भी खुद को लेकर जागरूक हों और अपनी जिंदगी में बदलाव लाने के लिये प्रयास करें।

सिकोईडिकोन संस्था लड़कियों को आगे बढ़ाने के लिये पूरी मदद एवं सहयोग कर रही है। मेरी जिंदगी में बदलाव लाने व दूसरी लड़कियों को जागरूक करने और उनमें आत्म विश्वास बढ़ाने के लिये मैं सिकोईडिकोन संस्था को बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ।

आजीविका सुरक्षा

स्थानीय खाद्यान्न, पोषण और आजीविका को केंद्र में रखते हुए आजीविका सुरक्षा के अन्तर्गत निम्न महत्वपूर्ण कार्य जनसंगठनों के सहयोग से संपादित हुए :–

- **उन्नत कृषि तकनीकों पर प्रशिक्षण**

  राजस्थान के किसान उत्पादन वृद्धि, सिंचाई के लिए पानी की कमी व मृदा स्वास्थ्य जैसी चुनौतियों से जूझते हैं। इन चुनौतियों का सामना करने व फसल प्रबंधन को बेहतर करने के उद्देश्य से चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद में चिन्हित किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में विषय–विशेषज्ञ द्वारा रबी फसलों के बेहतर प्रबंधन, पोषणीय गुणवत्ता, कीटनाशकों के प्रबंधन, जैविक कीटनाशक की जानकारी दी गई। साथ ही जलवायु परिर्तन का सामना करने में जैविक खेती की उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण में विभिन्न फसलों में लगने वाली बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गए।

  किसानों को खेती सबंधि व्यवहारिक ज्ञान देने के उद्देश्य से फार्मर फील्ड स्कूल के माध्यम से भी वैज्ञानिक व परम्परागत तकनीकों की जानकारी दी गई। इस प्रक्रिया में परियोजना क्षेत्र के प्रोग्रेसिव किसान के खेत को चिन्हित कर, उसके द्वारा किए जा रहे नवाचारों व तकनीक का व्यवहारिक ज्ञान किसानों को दिया गया।

- **सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण**

  स्थानीय ग्राम विकास समिति व समुदाय के सहयोग से चाकसू, फागी, मालपुरा और निवाई तहसील में सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोण का कार्य किया गया। इन सार्वजनिक स्थलों में विद्यालय परिसर, पंचायत भवन व सड़क के किनारे पौधारोपण किया गया। इन पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन, ग्राम विकास समिति व ग्राम पंचायत को दी गई। परियोजना क्षेत्र के 58 हेक्टेयर में पौधारोपण का कार्य किया जा चुका है।

- **स्मार्ट फार्म डेवलपमेंट**

  समेकित कृषि को बढ़ावा देने के लिए संस्था द्वारा 114 किसानों को चिन्हित कर उन्हें स्मार्ट फार्मर के रूप में तैयार किया जा रहा है। चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा और शाहबाद में चिन्हित इन किसानों को तकनीकी सहयोग के साथ–साथ फल–सब्जी के उन्नत बीज व आवश्यकतानुसार बकरी भी दी जा रही है ताकि सब्जीपालन के साथ–साथ पशुपालन से

इनकी आय में वृद्धि हो सके। इन चयनित किसानों को फल व सब्जी उत्पादन से अतिरिक्त आय तो हो रही है साथ में प्रशिक्षण के माध्यम से ये किसान फसल प्रबंधन भी सीख पा रहे हैं।

- **पोषण वाटिका**

दूर–दराज के गाँवों में पोषणयुक्त आहार की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन द्वारा पोषण वाटिका को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। परिवार में बच्चों व महिलाओं के भोजन में पोषणीय गुणवत्ता को सुनिश्चित करना इस पहल की प्राथमिकता है। इस प्रयास के अंतर्गत 96 किसानों को पोषण वाटिका के लिए चयनित किया गया है, जिन्हें सब्जी व फलों के उन्नत बीज व तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है।

- **पशु स्वास्थ्य शिविर**

किसानों की आजीविका बेहतर करने में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा परियोजना क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें पशुओं का टीकाकरण किया गया व आवश्यक दवाइयाँ वितरित की गई।

'हमारी आवाज' परियोजना

Empower के वित्तीय सहयोग द्वारा मालपुरा ब्लॉक की 12 ग्राम पंचायतों को 'बालिका अनुकूल ग्राम पंचायत विकसित करने हेतु 'हमारी आवाज' परियोजना का संचालन जुलाई, 2022 से किया जा रहा है।

मुख्य गतिविधियाँ

- **कोर समूह का गठन**

सभी 12 ग्राम पंचायतों में कोर समूह का गठन एवं उनका आमुखीकरण हो चुका है। अपनी ग्राम पंचायत को बालिका अनुकूल ग्राम पंचायत बनाने के लिये कोर समूह के सदस्यों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों के विषय में उनके साथ चर्चा की गयी। लगभग 145 कोर समूह के सदस्यों के साथ बैठकों के दौरान सीधा संवाद स्थापित किया गया। ग्राम पंचायत में सरपंच, सेक्रेटरी, पंचायत शिक्षा अधिकारी, ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, साथिन, किशोरी बालिका, युवा लड़के–लड़कियॉ, बालिकाओं के अभिभावक, प्रभुत्वशाली व्यक्ति आदि सभी को कोर समूह में शामिल किया गया है।

- **किशोरी बालिका समूह गठन एवं प्रशिक्षण**

सभी 12 ग्राम पंचायतों में किशोरी समूह का गठन कर, उनके साथ नियमित बैठकें की जा रही है। लगभग 240 किशोरी बालिका, किशोरी बालिका समूह की सदस्य हैं। लगभग 215 किशोरी बालिकाओं को जीवन कौशल, जेंडर, जेंडर आधारित हिंसा, यौनिक हिंसा, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, कानून, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन आदि पर प्रशिक्षण किया जा चुका है।

- किशोरी बालिका समूह की किशोरियों की विभिन्न विषयों जैसे जेंडर आधारित भेदभाव, स्व– जागरूकता, जीवन कौशल, गिरता शिशु लिंगानुपात एवं उसके प्रभाव, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, बालिका सुरक्षा आदि पर समझ विकसित हुई है एवं बालिकाएँ स्वयं के स्तर पर पंचायत एवं स्कूलों में उनसे संबंधित मुद्दों को लेकर ज्ञापन देने लगी हैं।

- ब्लॉक स्तर पर राष्ट्रीय बालिका दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें लगभग 70 किशोरियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान बालिकाओं द्वारा जेंडर समानता एवं बालिकाओं के अधिकारों को लेकर जागरूकता रैली निकाली गयी, विभिन्न कानूनों एवं योजनाओं के बारे में विभिन्न विभाग के अधिकारियों द्वारा विस्तार से चर्चा कर उनकी समझ विकसित की गई।

'बदलाव की कहानी'

मेरा नाम जमुना है, मैं कांटोली ग्राम पंचायत में रहती हूँ एवं 12वीं कक्षा में पढ़ रही हूँ। हमारे परिवार को चलाने के लिये मेरे माता–पिता बाहर मजदूरी के लिये जाते हैं। हम पाँच भाई–बहिन हैं। मैं किशोरी बालिका समूह एवं कोर समूह की सदस्य हूँ। 'हमारी आवाज' परियोजना से जुड़ने के बाद मेरे अंदर आत्म विश्वास आया है एवं मैं मीटिंग और प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए बिना किसी डर के गाँव के बाहर भी जा सकती हूँ और मैं किसी के भी सामने अपनी बात रखने में झिझकती नहीं हूँ। मैं पंचायत की मीटिंग में लड़कियों एवं गाँव के मुद्दों के बारे में खुलकर चर्चा करती हूँ।

बारिश के दिनों में हमारे स्कूल के बाहर पानी भर जाता था, जिसकी वजह से बच्चों को स्कूल के अंदर जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था, तब हम सभी किशोरी बालिका समूह की सदस्यों ने मिलकर सरपंच को पत्र के द्वारा नाली निर्माण के लिये ज्ञापन दिया। पंचायत द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है, और अब जल्दी ही इसके लिये मरम्मत का काम शुरू किया जायेगा।

रक्षण परियोजना

रक्षण परियोजना जयपुर और टोंक जिलों की 17 ग्राम पंचायतों के 27 गॉवों में संचालित की जा रही है। परियोजना का लक्ष्य है ''आर्थिक स्वायत्तता, सुरक्षित स्थानों और अपने बच्चों के लिए शिक्षा और स्थानीय शासन को मज़बूत करने के लिए ग्रामीण और वंचित आबादी के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना।'' परियोजना का लक्ष्य समग्र बाल विकास के मिशन का हिस्सा है।

उद्देश्य

- चयनित गांवों में महिलाओं और युवाओं के पास स्थायी आजीविका विकल्प को सुनिश्चित करना।

- बाल संरक्षण एवं युवा अधिकारों को सुनिश्चित करने हेतु जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना।
- महिलाओं और लड़कियों के प्रजनन स्वास्थ्य तक बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना।

रक्षण परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में संस्था द्धारा किये गये कार्य–

- **बालिका शिक्षा–** नट समुदाय में बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए बालिकाओं को छात्रवृत्ति दी जा रही है। रक्षण के अन्तर्गत 83 नट बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्टेशनरी एवं यूनिफॉर्म आदि के लिए 10000 रू. एवं उच्च शिक्षा एवं व्यवसायी शिक्षा हेतु 30000 रू.की छात्रवृत्ति दी जा रही है।
- **राजस्थान स्टेट ओपन परीक्षा–** जो बालिकाऐं किन्हीं कारणों से ड्रॉपाउट हो जाती हैं उनके लिए पुनः शिक्षा प्राप्त करने का एक अवसर दिया जाता है। परियोजना के माध्यम से 10वीं और 12वीं कक्षा में इस वर्ष 109 विधार्थियों का नामांकन कराया है। उनके लिए कोचिंग कक्षा भी शुरू की गई है, जिससे वे अच्छे अंकों से पास हो सकें। पूर्व वर्ष में 12वीं पास कर चुके 4 विधार्थी आज़ीविका से जुड चुके हैं। नौकरी कर रहे हैं।
- **बालिकाओं के लिए आत्म रक्षा प्रशिक्षण –** इस वर्ष रक्षण परियोजना के माध्यम से 22 नट बालिकाओं को जयपुर में आत्म रक्षा के गुर पर प्रशिक्षित किया गया। बालिकाओं ने बताया कि इस प्रशिक्षण से हमारा आत्म विश्वास बढ़ा है, अब हम अचानक हुये हमले को रोक सकते हैं और अपनी रक्षा कर सकते है। मुसीबत में अपनी जान बचा सकते हैं।
- **पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति (पीएलसीपीसी) –** ग्राम पंचायत स्तर पर 5 व 20 तारीख को पंचायत में साधारण सभा का आयोजन किया जाता है। माह में एक दिन जिसमें बाल सुरक्षा के मुद्दों को भी सम्मिलित किया जाता है। बाल संरक्षण समिति एक ऐसा मंच है, जिस पर बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा व खेल से सम्बन्धित मुददों को हल किया जाता है। ग्राम पंचायत में बाल मित्रवत वातावरण का निर्माण किया जाता है। आंगनबाड़ी, स्कूल और बाल योजनाओं की समीक्षा की जाती है। संस्था द्वारा बाल संरक्षण समिति की मीटिंग को नियमित करने का प्रावधान किया है। 12 ग्राम पंचायतों में बाल संरक्षण समिति की बैठक नियमित रूप से की जाती है।
- **नामांकन अभियान –** संस्था द्वारा सरकार के साथ मिलकर नामांकन अभियान चलाया गया, नामांकन अभियान में सभी मोबिलाइजरों की भागीदारी रही। सभी ने अपने–अपने स्कूल के अध्यापकों के साथ मिलकर बच्चों के नामांकन कराये हैं और बच्चों के ठहराव को सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों के साथ चर्चा की है। नामांकन अभियान में कुल 445 बालक बालिकाओं का प्रवेश हुआ है। उन बच्चों को अभियान के माध्यम से स्कूल से जोडा गया है। बाल पंचायत, युवा मण्डल और अध्यापक एवं समुदाय के साथ मिलकर गांव के सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया है। अध्यापक – अभिभावक बैठकों का आयोजन भी किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह –

9 मार्च, 2023 को सिकोईडिकोन कार्यालय के अन्तर्गत महेश सेवा सदन, मालपुरा में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में 162 महिलाओं की भागीदारी रही। इस आयोजन में 5 महिलाओं को अतिथि के रूप में बुलाया गया था। डॉ मिनीमय शर्मा महिला अस्पताल संचालक, गीता वालिया एडवोकेट मालपुरा, रूचिका सैनी, सरपंच रिण्डलिया, अल्का पारीक व्याख्याता, निमिता पारीक बी.पी.एम. स्वास्थ्य विभाग, मालपुरा। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासन के अलग–अलग पदों पर कार्यरत अधिकारियों की उपस्थिति रही। गीता वालिया नें महिलाओं को बताया कि महिलाओं की सुविधा के लिए कानून में दहेज प्रताडना और आधुनिक डिज़िटल युग में

सुरक्षा सखी एक एप हैं जिसका उपयोग करके महिलायें सुरक्षित रह सकती हैं। लैंगिक भेंदभाव को मिटाने और समानता का व्यवहार करने हेतु सभी महिलाओं को मोटिवेट किया गया। रूचिका सैनी द्वारा महिलाओं को बताया गया कि सभी को बालिका शिक्षा पर जोर देना चाहिए। बालिका शिक्षित होगी तो वो एक शिक्षित समाज का निर्माण करेगी उन्होंने अपने जनप्रतिनिधि होने का संधर्ष साझा किया। डॉ मिनीमय शर्मा द्वारा चिकित्सा विभाग के संबध में जानकारियॉ दी गई, उन्होनें महिलाओं की स्वतंत्रता के विषय पर चर्चा की। शिक्षा, बाल विवाह, घरेलू हिंसा आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। संस्था द्वारा किये जा रहे बेहतर कार्य हेतु सभी महिला मोबिलाईज़र को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नट बालिकाओं की ऊंची उडान

12 नट बालिकाओं ने सिकोईडिकोन संस्था के माध्यम से उंची उडान भरी है। वे आज बनस्थली विद्यापीठ में पढाई कर रही है। जीया और प्राची 10वीं कक्षा में, टीसा, शिखा, साक्षी 12वीं कक्षा में, भूमिका, नीलाक्षी, भाग्यशाली, तरूणा 11वीं कक्षा में और रिया, स्नेहा और सेबी बी.ए. कर रही हैं। संस्था के अथक प्रयासों से यह हो पाया है। परिवार जनों का अभी भी बालिकाओं पर दबाव बना रहता है कि वे पीढियों से चले आ रहे कार्य को आगे बढायें किन्तु बालिकाओं ने ठान लिया है कि वे समाज को बदल कर ही दम लेंगी। नट समुदाय में चल रही देह व्यापार की कुरीति को समाप्त करेंगी और आने वाली पीढी को सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीने का दृष्टिकोण देंगी।

सभी बालिकाऐं कहती हैं कि हमें सरकारी नौकरियों में जाना है हमारे समाज को यह बताना है कि हम सब कुछ कर सकते हैं। सेबी माधीवाल कहती है कि मुझे प्रशासनिक सेवा में जाना है। यही एक ऐसा पद है जो हमारे समाज की सोच बदल सकता है। सेबी की बी.ए. इस वर्ष पूर्ण हो रही है वह जयपुर में आई.ए.एस. की तैयारी करना चाहती है। रिया और तरूणा पुलिस सेवा में जाना चाहती है। स्नेहा व्याख्याता और भाग्यशाली अध्यापक बनना चाहती है।

ये सभी बालिकाऐं बनस्थली में बहुत खुश हैं। इनकी दिनचर्या बहुत ही नियमित है। वे सुबह और शाम को खेलने जाती है। प्राची और जीया क्रिकेट खेलती हैं, रिया कबड्डी, तरूणा बैडमिंटन, नीलाक्षी और भाग्यशाली नृत्य और गायन में भाग लेती हैं। बनस्थली के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेती हैं और अपनी प्रतिभा दिखाती हैं। वे नियमित कक्षाओं में जाती हैं और अतिरिक्त कक्षाऐं लगती हैं तो उनमें भी जाती हैं। अपनी पढाई के प्रति हमेशा सज़ग रहती हैं। सिकोईडिकोन संस्था ने आई पार्टनर इण्डिया के सहयोग से इन बालिकाओं का सम्पूर्ण खर्च वहन किया हुआ है।

प्रगति परियोजना: ग्रामीण समुदायों के लिए सतत आजीविका का समर्थन

कोटा के गडेपान में संचालित प्रगति परियोजना का उद्देश्य सतत विकास के लिए लोगों द्वारा संचालित आजीविका समाधानों का समर्थन करना और साथी समुदायों के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना है। लक्षित हस्तक्षेपों और क्षमता निर्माण प्रयासों की एक श्रृंखला के माध्यम से, परियोजना सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं तक पहुंच बढ़ाने, कृषि और गैर–कृषि गतिविधियों के माध्यम से आजीविका में सुधार करने और भागीदारी समुदायों की सामाजिक और आर्थिक विकास क्षमताओं को बढ़ाने पर केंद्रित है।

चंबल फर्टिलाइजर CSR के सहयोग से सिकोईडिकोन द्वारा संचालित प्रगति परियोजना तीन मुख्य उद्देश्यों पर केंद्रित है:

1. जागरूकता पैदा करना और सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं तक पहुंच को सुगम बनाना।
2. विभिन्न आय सृजन के अवसरों का निर्माण करते हुए, ऑन–फार्म और ऑफ–फार्म गतिविधियों के माध्यम से आजीविका में सुधार लाना।
3. समग्र सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए भागीदार समुदायों की क्षमता को मजबूत करना।

- **नवप्रगति किसान उत्पादक संगठन**

  2018 में, नवप्रगति किसान उत्पादक संगठन (FPO) की स्थापना सिकोईडिकोन के सहयोग से की गई थी। सदस्यों ने कृषि प्रशिक्षण और बीज एवं उर्वरक जैसे इनपुट सहायता प्राप्त की। इस वर्ष संस्था द्वारा एफपीओ को बाजार क्षेत्र में एक दुकान स्थापित करने, उर्वरक बेचने और कृषि मशीनरी किराए पर लेने में मदद की। उन्होंने अतिरिक्त आय अर्जित करते हुए 12 लाख रूपये के उर्वरक बेचे। बागवानी प्रदर्शन का आयोजन किया गया और किसानों को अमरूद के पौधे वितरित किए गए। इन गतिविधियों ने एफपीओ की आय, कौशल और कृषि ज्ञान को बढ़ाने में मदद की है।

- **कृति सहकारी समिति**

  कृति कोऑपरेटिव सोसाइटी, 40 स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का एक समूह, 2018 में बनाया गया था। इस वर्ष, सदस्यों के लिए नेतृत्व, लेखा और जीवन कौशल पर विभिन्न प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। SHG सदस्यों ने सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण और ब्यूटी पार्लर में प्रशिक्षण प्राप्त किया। संस्था ने जयपुर में एक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया, जहां महिलाओं ने सिलाई, कपड़े का चयन, धागे के प्रकार और मांग और आपूर्ति की अवधारणाओं के बारे में सीखा। उन्होंने एक गैर–बुना कपड़ा निर्माण संयंत्र और एक बेकरी संयंत्र का दौरा किया, उत्पाद निर्माण में अंतर्दृष्टि प्राप्त की और अपने कौशल निर्माण का विस्तार किया।

- **पशु टीकाकरण**

  परियोजना के तहत पशु स्वास्थ्य और टीकाकरण पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए। 10 परियोजना गांवों में 20 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए और पिछले साल 1375 पशुओं का टीकाकरण किया। लुंपी वायरस के प्रसार की प्रतिक्रिया के रूप में, हमने पशुओं को बीमारी के खिलाफ टीकाकरण अभियान भी चलाया।

विधिक साक्षरता एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम

भारत सरकार के न्याय विभाग के सहयोग से सिकोईडिकोन द्वारा राजस्थान के पॉच आकांक्षी जिलो– जैसलमेर, बांरा, करौली, धौलपुर व सिरोही में विधिक साक्षरता व जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जैसलमेर, बांरा व करौली में बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं के कानूनी अधिकारों व सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई है। बालिका शिक्षा, बाल विवाह, बुजुर्गों का भरण–पोषण अधिकार, महिला हिंसा से रोकथाम, पोक्सो कानून जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता अभियान, पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण, ढ़ाणी बैठक व युवाओं के प्रशिक्षण के माध्यम से सामाजिक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग तक न्याय की सुगम पहुँच बनाना है। विधिक साक्षरता कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व विभिन्न सरकारी विभागों का भी सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अभी तक जैसलमेर में 101, बारां में 157 व करौली में 87 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

थार उन्नति परियोजना, बीकानेर

सिकोईडिकोन संस्था द्वारा राजस्थान के बीकानेर जिले में एनल ग्रीन पावर एवं नोरफण्ड के सहयोग से जून, 2021 से थार उन्नति परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना का क्रियान्वयन बीकानेर के 10 गांवों में किया जा रहा है। परियोजना के गांवों में लोगों की आजीविका कृषि एवं पशुपालन पर निर्भर है। परियोजना गांवों में लगभग 85 प्रतिशत कृषि वर्षा आधारित है। खाद्यान्न एवं पशुओं के लिये चारा बाहर से मंगवना पड़ता है। परियोजना क्षेत्र में लगभग 15 प्रतिशत भूमि में नहर द्वारा सिंचाई होती है, जहाँ पर पैदावार अच्छी हो जाती है।

परियोजना क्षेत्र के गांवों में सोलर पावर की अनेक कम्पनियॉ अपने सोलर प्लाण्ट लगा रही है, जिसके कारण विगत 2–3 वर्षों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

संस्था ने विगत एक वर्ष में कृषि, पशुपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, किशोर व युवा विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, जल संरक्षण, ढ़ांचागत विकास एवं सामाजिक संगठनों के विकास हेतु ग्राम विकास समितियों के सहयोग से अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य किए है, जो इस प्रकार है:–

❖ **कम्पोस्ट बनाने का प्रशिक्षण एवं निर्माणः–** परियोजना क्षेत्र के गांवों में गोबर एवं अन्य घास–फूस का पर्याप्त प्रबन्धन नहीं किया जाता है। अतः कम्पोस्ट बनाने हेतु 30 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया एवं 10 नाडेप कम्पोस्ट के ढ़ॉचे तैयार करवाये गये।

❖ **पशु स्वास्थ्य शिविरः–** परियोजना के नूरसर, धोलेरा गांव से पशु चिकित्सालय की दूरी होने के कारण पशुओं का टीकाकरण एवं रोग उपचार में समस्या होने के कारण गांव स्तर पर 11 पशु स्वास्थ्य शिविर लगाए, जिसमें 2160 पशुओं को लाभान्वित किया गया।

❖ **बायोगैस प्रशिक्षण एवं बायोगैस प्लान्ट की स्थापनाः–** बायोगैस के महत्व को देखते हुए परियोजना गांवों में बायोगैस का प्रशिक्षण आयोजित कर 8 यूनिट की स्थापना की गई, जिससे 8 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

❖ **टांका निर्माणः–** परियोजना गांवों में पानी की कमी तथा संग्रहण के अभाव के कारण 10 व्यक्तिगत परिवारों के टांका निर्माण किया गया।

❖ **ओपन विद्यालय हेतु सहयोगः–** शिक्षा से ड्रॉपआऊट बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए गांवों में अभियान चलाया गया एवं 31 बच्चों को ओपन स्कूल से जोड़कर उनकी काउन्सलिंग की गई एवं शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाई गई।

❖ **सिलाई कार्य हेतु दक्षता प्रशिक्षणः–** महिलाओं की आजीविका संवर्धन हेतु 3 गांवों में 4 बैच प्रशिक्षण आयोजित करवाकर 62 महिलाओं का सिलाई में 1–1 माह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

❖ **छात्रवृत्ति सहयोग–** प्रतिभावान छात्रों का 10वीं एवं 12वी कक्षा के बाद पढ़ाई जारी रखने हेतु छात्रवृत्ति सहयोग प्रदान किया गया। कुल 15 छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति सहयोग प्रदान किया गया।

❖ **स्वास्थ्य शिविर–** ग्राम धोलेरा से स्वास्थ्य केन्द्र दूर होने की वजह से स्वास्थ्य सुविधाऐं नहीं मिल पाती है। अतः धोलेरा गांव में 1 स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विशेषज्ञ डॉक्टर के सहयोग से किया गया, जिसमें 135 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर प्रारम्भिक औषधियाँ दी तथा सलाह दी गई तथा रेफरेल की आवश्यकता वाले मरीजों को पुनः ईलाज हेतु रेफर किया गया।

❖ **सामुदायिक केन्द्रः–** गांव धोलेरा में परियोजना के सहयोग से एक सामुदायिक केन्द्र का निर्माण किया गया। समुदाय के द्वारा इस केन्द्र का सही तरीके से किया जा रहा है। इस केन्द्र पर बैठक कर गांव के विकास की चर्चा की जाती है एवं निर्णय लिये जाते हैं। सामुदायिक केन्द पर पुस्तकालय का भी संचालन किया जा रहा है, जहॉ युवक–युवतियां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इसी केन्द्र पर विभिन्न आयोजन जैसे– बालिका दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, गणतन्त्र दिवस, युवा दिवस आदि का आयोजन किया गया।

❖ **दिव्यजन सहयोगः–** परियोजना क्षेत्र के 4 दिव्यजन व्यक्ति को आजीविका संवर्धन गतिविधियों से जोड़कर मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया गया।

यह मैं कर सकती हूं!

पूजा मेघवाल, पत्नी शंकर लाल बताती हैं कि 11 साल पहले दसवीं पास कर ससुराल में आशा सहयोगिनी के पद पर महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़कर काम कर रही थी। पारिवारिक जिम्मेदारियां व गांव के वातावरण में बहु बनकर काम करते हुए जून, 2021 में थार उन्नति परियोजना द्वारा कोविड़ के समय लोगों के स्वास्थ्य एवं राशन की मदद के दौरान जुड़कर महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के कौशल प्रशिक्षण / बैठकों में भाग ले रही थी। एक मिटिंग में शिक्षा की मुख्यधारा से परे हो गये। युवाओं को कक्षा 10 व 12 राजस्थान स्टेट ओपन से करने के बारे में बताया जा रहा था। मैंने सब सुना और मन बनाया यह तो मैं कर सकती हूं।

अपने मन की बात परिवार के लोगों के सामने रखी तो परिवार मान गया। परियोजना के साथियों से प्रक्रिया अनुसार 12वीं की परीक्षा आवेदन कर दिया। पाठ्य–सामग्री एवं व्यावहारिक, जनसंपर्क शिविर के बारे में मेरे को समय–समय सहयोग एवं मार्गदर्शन मिला, जिससे 65.60 प्रतिशत अंकों से पास हो गई।

राजस्थान सरकार द्वारा जनवरी, 2023 में एएनएम प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया, जिससे अनुसूचित जाति वर्ग में 12वीं के प्रतिशत के आधार पर मेरा मेरिट में चयन हुआ। मैं यह एएनएम का दो वर्श कोर्स पूरा करूगीं एवं लोगों को एएनएम बनकर बेहतर सेवाऐं दूंगी।

चाइल्ड लाइन–1098, जैसलमेर

ज़रुरतमंद बच्च्चों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित चाइल्ड लाईन 1098 का जैसलमेर केन्द्र, सिकोईडिकोन द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस हेल्प लाइन के माध्यम से 01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक–02 बच्चों को चिकित्सा सहायता, 07 बच्चों को पोषाहार में सहयोग, 14 गुमशुदा बच्चों में से 10 बच्चों को पुनर्वास एवं 04 बच्चों को आश्रयगृह में प्रवेश, 63 बच्चों को शोषण से सुरक्षा, 03 बच्चों को छात्रवृत्ति में सहयोग, 10 बच्चों को भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन, एवं 79 बच्चों को अन्य केस केटेगरी में सुविधा प्रदान की जा चुकी है। इस अवधि के दौरान कुल–178 जरुरतमंद बच्चों को चाइल्ड लाईन,

जैसलमेर द्वारा सहायता प्रदान की जा चुकी है।

चाइल्ड लाइन 1098 टीम द्वारा 01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक के कार्यकाल में किए गए कार्यो का विवरणः–

- ❖ चाइल्ड लाइन–1098 टीम द्वारा विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों तथा रेलवे स्टेशन में फ्लैक्स बैनर तथा पुलिस थानों में सनबोर्ड लगवाऐ गऐ।
- ❖ चाइल्ड लाइन–1098 द्वारा बालश्रम सप्ताह गतिविधियों का आयोजन (12 जून से 19 जून, 2022) गजरूपसागर कच्ची बस्ती से रैली के माध्यम से शुरूआत की गई। दर्जी पाड़ा, रिंग रोड़, पटवा हवेली, गांधी कॉलोनी, गफूर भट्टा, अमरसागर कच्ची बस्ती, गुलाब सागर व रामदेवरा में गतिविधियॉ आयोजित की गई।
- ❖ 11 अक्टूम्बर, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस को महिला अधिकारिता विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में मेरी बेटी–मेरा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें चाइल्ड लाइन टीम की भागीदारी रही।
- ❖ चाइल्ड लाइन, 1098 द्वारा बाल अधिकार सप्ताह (14 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2022) की शुरुआत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड लाइन, के संयुक्त तत्वावधान में बाल कल्याण समिति, जैसलमेर में आयोजित किया गया। चाइल्ड लाइन, 1098 द्वारा बाल अधिकार सप्ताह– राजकीय अम्बेडकर छात्रावास, पुष्करणा बेरा में चाइल्ड लाइन टीम द्वारा निबंध प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता रखी गई तथा राजकीय किशोर एवं संप्रेक्षण गृह, समग्र समाज विकास समिति आवासीय विद्यालय में बालक–बालिकाओं को उनके अधिकारों–(जीवन जीने का, संरक्षण का, विकास का और सहभागिता का), बच्चों के साथ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम–2012, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम–2006, बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम–2015, बालश्रम अधिनियम–1986 और गुड–टच एवं बेड–टच के बारे में जानकारी दी गई।
- ❖ चाईल्ड लाइन–1098, जैसलमेर टीम द्वारा इस अवधि के दौरान 10 बालक–बालिकाओं का पुनर्वास करवाने में सहयोग किया गया।
- ❖ 24 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय बालिका दिवस को महिला अधिकारिता विभाग, शिक्षा विभाग एंव जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें चाइल्ड लाइन टीम की भागीदारी रही।
- ❖ चाइल्ड लाइन टीम द्वारा स्ट्रीट टू स्कूल ड्रॉपआउट बच्चों का सर्वे किया गया, जिसमें कच्ची बस्तीयों, आवासीय कॉलोनियों और जैसलमेर की अलग–अलग जगहों पर सर्वे किया गया, जिसमें 53 बच्चों को चिन्हित किया गया हैं। इन बच्चों का नये प्रवेशांक सत्र में विद्यालयों में प्रवेश करवाने का प्रयास किया जायेगा।

इरादा परियोजना

ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRd), भारत सरकार के सहयोग से, जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय (BMZ) ने ERADA कार्यक्रम शुरू किया। यह परियोजना GIZ इंडिया द्वारा सिकोईडिकोन के माध्यम से बारां जिले के शाहबाद ब्लॉक में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय रूप से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और विकास कार्यक्रमों के आधार पर चयनित ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर समुदायों की आजीविका को मजबूत करना है।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य

- ➢ स्थानीय रूप से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और विकासात्मक कार्यक्रमों के आधार पर चयनित ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर परिवारों की आजीविका को मजबूत करना।
- ➢ इस परियोजना को बिहार, झारखंड, राजस्थान और मध्यप्रदेश जैसे 4 राज्यों के 8 आकांक्षी जिलों के 8 पायलट ब्लॉकों में लागू करने की योजना है।
- ➢ मनरेगा के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों को बढ़ाने और कमजोर समुदायों के लिए मजदूरी कार्य बढ़ाते हुए आजीविका सुरक्षित करना।

परियोजना प्रगति रिपोर्ट

क्र.सं.	गतिविधियों का नाम	दिस.	जन.	फरवरी	मार्च	कुल	प्रतिभागी
1	मोबिलाईजेशन बैठक	5	15	16	23	59	1754
2	ब्लॉक स्तरीय समन्वय बैठक (बीडीओ और एसआरएलएम स्टॉफ)	1	1	0	1	2	40
3	मेट प्रशिक्षण	0	0	2	0	2	103
4	केएसपीएस प्रशिक्षण			1	0	1	43
5	मसाला प्रशिक्षण			1	0	1	45
6	आंवला प्रशिक्षण			1	0	1	55
7	बकरी पालन प्रशिक्षण तैयारियों को लेकर बैठक राजपुरा			1	1	2	86
8	बंधन प्रशिक्षण सहायता		1	2	0	3	150
9	GIZ			1	1	1	13
10	स्टाफ बैठक	1	1	1	1	4	34
11	नरेगा मजदूरी में वृद्धि	0	40	330	20	390	390

यूएनएफपीए के सहयोग से संचालित परियोजना

स्वास्थ्य एवं लैंगिक समानता पर बेहतर वातावरण निर्माण और व्यवस्था को सशक्त करने हेतु यूएनएफपीए के सहयोग से समग्र दृष्टिकोण से संचालित परियोजना के तहत सवाई माधोपुर में विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियॉ आयोजित हुई :–

- **गर्ल फ्रेंडली ग्राम पंचायतों का विकास**

  बेटी बचाओ, बेटी पढाओ कार्यक्रम के तहत बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण निर्माण करने के उद्देश्य से सवाईमाधोपुर की 57 ग्राम पंचायतों को गर्ल फ्रेंडली ग्राम पंचायत के रूप में तैयार करने हेतु चिन्हित किया गया। इसके तहत जनसमुदाय, पंचायत प्रतिनिधि व जन संगठनों का सहयोग किया जा रहा है। बेटियों के प्रति लोगों के व्यवहारगत बदलाव की इस मुहिम में पंचायत स्तर पर कार्यरत शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साथिन का लिंग समानता, बाल विवाह, लिंग आधारित हिंसा, जेन्डर सेफ्टी ऑडिट जैसे विषयों पर प्रशिक्षण व कार्यशालाएं आयोजित की गई है। इसके अतिरिक्त बेटी के जन्म पर बधाई संदेश व मीना मंच की बैठकों से स्थानीय स्तर पर काफी सकारात्मक बदलाव देखा गया है। ग्रामीण स्तर पर बालिकाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रयास में संस्थागत प्रणालियों को सशक्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर बनी विभिन्न समितियों का भी आमुखीकरण किया जा रहा है। गर्ल फ्रेंडली पंचायत के सफल प्रयोग को देखते हुए इस प्रयास को सवाई माधोपुर की 94 अन्य ग्राम पंचायतों तक विस्तारित किया जा रहा है।

- **साथिनों व सखी सहेलियों का किशोरी मॉड्यूल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण**

  बेटी बचाओ बेटी पढ़ओ परियोजना के अन्तर्गत अप्रेल माह में सखी सहेलियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर और बौंली ब्लॉक में किया गया। सेग परियोजना के अन्तर्गत किशोरी बालिका केन्द्रित पाठ्यक्रम पर अप्रेल माह में सखी सहेलियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर और बौंली ब्लॉक में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सखी सहेलियों एवं साथिनों का किशोरी मॉड्यूल पर समझ विकसित करना।

- **युवा संवाद महोत्सव**

  राजस्थान की युवा नीति तैयार करने की प्रक्रिया के तहत राजस्थान के 6 जिला संभागों में युवा संवाद महोत्सव आयोजित किया गया। राज्य युवा नीति का उद्दे य युवाओं के साथ संवाद कर उन्हें सक्षम और स ाक्त बनाना, उनकी क्षमता, ऊर्जा और उत्साह को दि ाा देकर उन्हें एक बेहतर और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करना है। यह नीति राज्य के युवाओं को वै वीकरण, तकनीकी परिवर्तन, नई जानकारी और संचार से उत्पन्न जोखिम से लड़ने और अपनी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए एक दि ाा प्रदान करेगी।

- **महिला एवं बालिका सशक्तिकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला**

  सवाई माधोपुर में महिला एवं बालिका स ाक्तिकरण पर दो दिवसीय कार्य ाला का आयोजन किया गया। इसका उद्दे य महिलाओं व बालिकाओं के साथ होने वाले सभी प्रकार के भेदभाव को खत्म करना एवं महिलाओं व बालिकाओं पर होने वाले सभी प्रकार की हिंसा को जड़ से मिटाने के लिए उपाय लागू करना है। सभी सामाजिक कुरूतियों व हानिकारक प्रथाओं जैसे–बाल विवाह, जबरन विवाह, बेमेल विवाह, नाता विवाह, डायन प्रथा, घूघंट प्रथा, आदि खत्म करने का संकल्प–ग्राम और वार्ड सभाओं व महिला सभाओं एवं बाल सभा में दिलवाया गया।

  यूथ के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लिंग आधारित भेदभाव, महिला व बालिकाओं के खिलाफ हिंसा, संघर्ष, साइबर अपराध को रोकने में लड़कों और पुरुषों की भूमिका पर जोर दिया गया।

- **दो दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण**

  दिनांक 24 से 25 मई 2022 को अग्रवाल समाज धर्मशाला ब्लॉक सवाई माधोपुर और 26 से 27 मई 2022 को मीणा धर्मशाला ब्लॉक चौथ का बरवाड़ा में पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों के साथ जेण्डर एवं महिला बालिका सशक्तिकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सरपंच, सचिव और वार्ड पंचों ने भाग लिया।

- **दो दिवसीय युवाओं का प्रशिक्षण**

  29–30 जून 2022 को सवाई माधोपुर में महिला एवं बालिका सशक्तिकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं व बालिकाओं के साथ होने वाले सभी प्रकार के भेदभाव अपने ग्राम में खत्म करने, महिलाओं व बालिकाओं पर होने वाले सभी प्रकार की हिंसा को जड़ से मिटाने के लिए उपाय लागू करने तथा सभी सामाजिक कुरूतियों व हानिकारक प्रथाओं जैसे – बाल विवाह, जबरन विवाह, बेमेल विवाह, नातावि‌वाह, डायन प्रथा, घूंघट प्रथा, आदि खत्म

करने का संकल्प लिया गया। ग्राम और वार्ड सभाओं व महिला सभाओं एवं बाल सभा महिलाओं व बालिकाओं का स्वामित्व–आर्थिक संसाधनों पर बढ़ाने के ठोस कदम ग्राम स्तर पर उटाऐंगे। महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु देश में लागू सभी कानूनों एवं नीति व कार्यक्रमों को ग्रामीण क्षेत्रों में लागू करने का प्रशिक्षण दिया गया।

- **ग्राम पंचायतों में कला जत्था कार्यक्रम**

सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर, बौंली और मालारना चौड ब्लॉक की 94 ग्राम पंचायत में कला जत्था कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समुदाय को बाल विवाह, उड़ान योजना, पोक्सों, पीसीपीएनडीटी एक्ट और घरेलू हिंसा के बारे में नाटक के माध्यम से 16640 लोगों को जानकारी दी गई।

- **पंख परियोजना के अन्तर्गत ई–लर्निंग क्लास रूम**

शिक्षा विभाग व यूएनएफपीए के साथ मिलकर गत वर्ष 5 केजीबीवी विद्यालयों (जयपुर–1, जैसलमेर–2, सवाई माधोपुर–1, उदयपुर–1) ई–पंख परियोजना के अन्तर्गत ई–लर्निग क्लास रूम विकसित किये गये हैं, जिसका उद्देश्य बालिकाओं को जीवन कौशल शिक्षा का ज्ञान करवाना हैं। इसके अर्न्तगत चयनित किये गये 5 विद्यालयों में गतिविधि कक्ष में स्मार्ट टीवी, कम्प्यूटर, वेबकैम, माइक्रोफोन, स्पीकर और ईन्टरनेट कनेक्शन (डोंगल) दिया गया। तथा कई अन्य संसाधन जैसे कॉमिक बुक सेट (जीवन कौशल), एक्टिविटी बेस्ड गेम (सांप और सीडी, क्रांति–भ्रांति) व माहवारी पर एप्रन रखे गये है।

- **भारत के कंट्री रिप्रेजेंटेटिव का जैसलमेर दौरा**

यूएनएफपीए भारत के कंट्री रिप्रेजेंटेटिव के द्वारा दिसम्बर माह में जैसलमेर के सोनू गांव के केजीबीवी का दौरा किया गया। इस दौरान केजीबीवी की किशोरी बालिकाओं के साथ किशोरावस्था से संबधित विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की गई। जीवन कौशल शिक्षा पर समूह सत्रों के दौरान किशोरियों ने मासिक धर्म की प्रक्रिया पर एक लघु नाटक प्रस्तुत किया। ई–लर्निग क्लास रूम का उपयोग किशोरियों के लिए परामर्श सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए किया जाता है।

- **नार्वे के एम्बेसडर का सवाई माधोपुर दौरा**

नार्वे के एम्बेसडर हेन्स जेकब को सवाई माधोपुर जिले के बौंली, डेकवा और कुशतला ग्राम पंचायत में विजिट की गई। वहां उनको ई–लर्निग क्लास रूम की विजिट करवाई गई। केजीबीवी में ई– लर्निग क्लाास रूम का उपयोग विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशल, बाल विवाह, माहवारी आदि कुप्रथाओं के बारे में ज्ञान व जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है।

ग्राम पंचायत डेकवा में नोर्वे अम्बेसडर के द्वारा विजिट किया गया। विजिट के दौरान कोर समूह के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें कोर समूह के द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा हुई। कोर समूह के द्वारा ग्राम पंचायत में किए गए बदलाओं के बारें में बताया। बालिकाओं और महिलाओं से संबंधित मुद्दों को चिन्हित करके योजना बनाई गई उसके आधार पर कोर समूह के द्वारा कार्य किया गया।

- **एनिमिया मुक्त अभियान**

एनिमिया मुक्त अभियान के अन्तर्गत शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर 21 केजीबीवी विद्यालयों में बालिकाओं का हिमोग्लोबिन टेस्ट (एचबी टेस्ट) करवाया गया। यूएनएफपीए किशोरियों में बढ़ते एनीमिया की रोकथाम के लिए एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत तीन जिलो के 21 केजीवीबीविद्यालयों में हिमोग्लोबिन टेस्ट हेल्थ कैम्प आयोजित किये गये। इसका उद्दे य बालिकाओं में रक्त की कमी को दूर करके उनका मानसिक और भारीरिक रूप से उनका विकास करना है। इसके लिए बालिकाओं को आयरन टेबलेट दी जाती है तथा उनके भोजन में आयरन युक्त भोजन को सम्मिलित करने के लिए जोर दिया जाता है।

CONSTITUTION
OF
INDIA

सिकोईडिकोन – मालपुरा
cecoedecon
MISEREOR
कार्यक्रम – पी आई आई आर डी
गतिविधि – स्मार्ट फार्म (आजीविका सुदृढ़ता)
किसान का नाम – रामप्रकाश सैनी
गांव का नाम – पीपल्या

सिकोईडिकोन

सिकोईडिकोन (सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी) एक गैर सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी। यह संगठन समाज के निर्धन और वंचित वर्गों की क्षमता निर्माण के कार्य के प्रति समर्पित है। संस्था कृषि, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, जलवायु परिवर्तन से जुड़े विकास के विभिन्न मुद्दों पर राजस्थान के 11 जिलों में कार्य कर रही है। सिकोईडिकोन के प्रयासों और पहलों का दायरा राजस्थान में सहभागी समुदायों की क्षमता का निर्माण करने से लेकर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर रचनात्मक संवाद के मंच तैयार करने तक फैला हुआ है। अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में सिकोईडिकोन अपने बाह्य एवं सहयोगी संगठनों की भागीदारी से कार्य करता है। सतत् विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों की पैरवी करते हुए सिकोईडिकोन राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने वाले नीति सम्बन्धी मुद्दों को आगे बढ़ाने हेतु भी प्रयासरत है।

संरक्षक : श्रीमती मंजू जोशी
संपादक : डॉ. आलोक व्यास
ग्राफिक्स : रामचन्द्र शर्मा व भँवरलाल जाट

BOOK POST

शैक्षणिक, सीमित व निजी प्रसार हेतु प्रकाशित :-

सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी

स्वराज परिसर, एफ–159–160, औद्योगिक व संस्थागत क्षेत्र सीतापुरा, जयपुर–302022 (राज.)
फोन : 0141- 2771855, 7414038811/22 फैक्स : 0141-2770330
ई–मेल : cecoedecon@gmail.com वेबसाईट : www.ceocedecon.org.in